फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 88 प्रभात जयपुर, बुधवार 28 अक्टूबर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

And The Answer Is Gold !!!

They believe that if the market has been doing well over the past few years, then, it will continue to deliver, if you've been in the game for 30 minutes and you don't know who the patsy is, you're the patsy

The Fabric Trade Origin of the Phrase "No Strings Attached"

'अब मेरी बारी है'

सोनिया गांधी ने कहा कि इतने सालों तक लोग मेरे बारे में लिखते रहे हैं, अब मैं बताऊँगी वास्तव में क्या हुआ था?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। ''अब मेरी बारी है''-सोनिया गांधी ने अपनी आने वाली किताब ''बिलॉन्गिंग-एजर्नी'' के बारे में यह बात कही है। उनका कहना है कि वर्षों से दूसरे लोग उनके बारे में लिखते रहे हैं और अब उनकी बारी है कि वह बताएं कि वास्तव में क्या हुआ था।

इस किताब के विस्फोटक होने की संभावना है और इससे कई अहम खुलासे हो सकते हैं। माना जा रहा है कि इसमें ऐसी बातें सामने आ सकती हैं, जो अब तक सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा नहीं बन पाई हैं।

सोनिया गांधी की राय थी कि इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी को प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहिए था। लेकिन राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने और इससे इतिहास की दिशा बदल गई।

- सोनिया गांधी अपनी किताब, ''बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव'' में कई अहम खुलासे किए हैं।
- सोनिया को लेकर एक बड़ा मुद्दा यह भी है कि इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सोनिया नहीं चाहती थीं कि राजीव गांधी प्रधानमंत्री बनें, लोग इसका भी कारण जानना चाहते हैं।
- पर, सबसे अहम सवाल यह है कि सन् 2004 में सोनिया गांधी खुद प्रधानमंत्री क्यों नहीं बनीं, इसके बजाय उन्होंने डॉ. मनमोहन सिंह का नाम आगे कर दिया, इस पर काफी बातें होती हैं, साज़िशों की कहानियाँ कही जाती हैं।
- क्या, सोनिया इन विवादास्पद घटनाओं के बारे में किताब में खुलासा करेंगी, इसको लेकर भारी चर्चा है।

इन तमाम वर्षों में सबसे बड़ा रहस्य इस बात को लेकर बना रहा है कि सोनिया गांधी ने खुद प्रधानमंत्री बनने से इनकार क्यों किया और इसके बजाय डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाने का फैसला क्यों किया। इस बारे में कई तरह की अटकलें चर्चित हुईं व साजिशों की कहानियां कही-सुनी गईं।

सवाल यह है कि क्या सोनिया गांधी अपनी किताब में इस रहस्य से पर्दा उठाएंगी? क्या वह दुनिया को बताएंगी कि प्रधानमंत्री पद स्वीकार न करने के पीछे मूल रुप से क्या कारण थे और ऐसी कौन-सी परिस्थितियां थीं, जिन्होंने उन्हें यह फैसला लेने के लिए प्रेरित किया?

चर्चा में बनी इस किताब की प्री-बुकिंग शुरू हो गई है। उम्मीद जताई जा रही है कि यह बैस्ट-सैलर साबित हो सकती है और बिक्री शुरू होने से पहले ही इसकी प्रतियां बिक सकती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम की पेरोल नहीं बढ़ाई

जोधपुर, 27 अक्टूबर (कासं)। राजस्थान में नाबालिग से दुष्कर्म मामले में सजा काट रहे आसाराम को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल आधार पर आसाराम की पेरोल बढ़ाने से इनकार कर दिया है। आसाराम के वकील का कहना था कि अभी आसाराम का इलाज जारी है। आसाराम उज्जैन के गवर्नमेंट धन्वंतरि आयुर्वेदिक हॉस्पिटल में भर्ती है। ऐसे में 20 दिन की पैरोल को बढ़ाया जाए।

- अदालत ने कहा, पहले आत्म समर्पण करो फिर अपील पर सुनवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार, राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम को 6 अक्टूबर को 20 दिन की पैरोल दी थी, जिसकी अवधि 26 अक्टूबर को समाप्त हो गई। पैरोल पर जेल से बाहर आए आसाराम की ओर से अवधि बढ़ाने की मांग की गई थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने राहत देने से साफ मना कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, पैरोल खत्म होने के बाद आसाराम को आत्मसमर्पण करना होगा, जिसके बाद उसकी अपील पर सुनवाई की जाएगी। आसाराम उज्जैन के गवर्नमेंट धन्वंतरि आयुर्वेदिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सबीर भाटिया की डॉक्यूमैंट्री पर कोलकाता हाई कोर्ट ने प्रतिबंध लगाया

सबीर भाटिया हॉटमेल के सह संस्थापक हैं, उन्होंने अपने यू-ट्यूब चैनल पर 36 मिनट की डॉक्यूमैंट्री पोस्ट की थी ''हाउ मोदी एंड अडाणी स्टोल इंडियाः फ्रेंडशिप फाइल्स''

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। कलकत्ता हाई कोर्ट ने हॉटमेल के सह-संस्थापक सबीर भाटिया की 36 मिनट की उस ऑनलाइन डॉक्यूमेंट्री को तत्काल हटाने और उसके आगे प्रसार पर रोक लगाने का आदेश दिया है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उद्योगपति गौतम अडाणी पर ''क्रोनी कैपिटलिज़्म'' (दोस्ताना वाली पूँजीवादी व्यवस्था) का आरोप लगाया गया है। न्यायमूर्ति आर्यक दत्त ने सोमवार को अवकाशकालीन पीठ में अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की ओर से दायर मानहानि के मुकदमे की सुनवाई करते हुए, भाटिया, यू-ट्यूब, एक्स और इंस्टाग्राम सहित, सोशल मीडिया मंचों तथा अन्य संबंधित पक्षों को 31 जनवरी, 2027 तक या अदालत के अगले आदेश तक इस वीडियो, उसके अंशों अथवा उससे मूलतः मिलते-जुलते संस्करणों को प्रकाशित करने, अपलोड करने, साझा करने या प्रसारित करने से रोक दिया।

- भाटिया ने डॉक्यूमैंट्री में मोदी व अडाणी के ''क्रोनी कैपिटलिज़्म (दोस्ताना पूँजीवाद) का मुद्दा उठाया।
- उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने अडाणी को व्यापारिक लाभ पहुँचाने की दृष्टि से कई फैसले लिए, जैसे ज़मीन आवंटन, वाणिज्यिक नियमों में संशोधन आदि।

''हाउ मोदी एंड अडाणी स्टोल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कीमती विदेशी शराब के शौकीन हैं, पंजाब के मु.मंत्री मान?'

भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू ने पंजाब विधानसभा में महंगी शराब की बोतल पेश की और कहा इसकी कीमत 70,000 रूपए है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। पूर्व केन्द्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता रवनीत बिट्टू मंगलवार को पंजाब विधानसभा परिसर में शराब की एक बोतल लेकर पहुंचे और मुख्यमंत्री भगवंत मान पर प्रतीकात्मक हमला किया। उन्होंने मान पर ''महंगी शराब के शौकीन'' होने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि पिछले सप्ताह दिल्ली हवाई अड्डे पर जब मुख्यमंत्री को रोका गया था, तब उनके पास से इसी तरह की एक बोतल मिली थी।

बिट्टू ने पत्रकारों से कहा, ''यह वही बोतल है, जो भगवंत मान के पास से (दिल्ली) हवाई अड्डे पर मिली थी। इस बोतल की कीमत 70 हजार रुपये है। पंजाब को बर्बाद कर दिया गया है, लूट लिया गया है।''

भाजपा नेता के हाथ में नीले और सफेद रंग की बोतल दिखाई दी। सोशल मीडिया पर लोगों ने इसकी पहचान मेक्सिको की बेहद महंगी टकीला शराब क्लासे अजुल रेपोसाडो के रूप में की।

भारत में इस शराब की कीमत 35,000 से 55,000 रुपये के बीच बताई जाती है, जबकि इसके महंगे संस्करणों की कीमत 80,000 रुपये तक हो सकती है।

बिट्टू का हमला यहीं नहीं रुका। उन्होंने मुख्यमंत्री मान पर निशाना साधने के लिए पंजाबी शब्द 'टल्ली' का इस्तेमाल किया और इस शब्द को दोहरे अर्थ में प्रयोग किया।

भाजपा नेता ने कहा, ''यह 'टल्ली' बताती है कि पिछले पांच वर्षों में पंजाब में कोई काम क्यों नहीं हुआ। मुख्यमंत्री

- बिट्टू ने कहा, इसी बोतल की वजह से मुख्यमंत्री मान को दिल्ली हवाई अड्डे पर रोका गया था।
- बिट्टू ने शराब की जो बोतल पेश की सोशल मीडिया पर लोगों ने उसकी पहचान मैक्सिको की बेहद महंगी शराब ''टकीला'' के रूप में की।
- बिट्टू ने मान के लिए पंजाबी भाषा के शब्द ''टल्ली'' का प्रयोग कटाक्ष रूप में किया व आरोप लगाया कि पंजाब को लूटा गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ब्रिक्स संसदीय मंच का सम्मेलन समाप्त

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने मंगलवार को ब्रिक्स संसदीय मंच के समापन समारोह में कहा कि हमारे विचार और परिस्थितियां अलग हो सकती हैं, लेकिन मानवता के कल्याण, शांति और समृद्धि के प्रति हमारी प्रतिबद्धता एक समान है और यही ब्रिक्स की सबसे बड़ी ताकत है।

- संयुक्त घोषणा पत्र पर सहमति, 2027 की अध्यक्षता चीन को।

12वें ब्रिक्स संसदीय मंच का नई दिल्ली में मंगलवार को समापन हो गया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि पिछले दो दिनों में कई अहम मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में संयुक्त घोषणा पत्र पर सहमति बनी है। इसमें यूएन चार्टर, राष्ट्रों की संप्रभु समानता और शांतिपूर्ण समाधान के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई गई है। साथ ही, मंच से आतंकवाद के सभी कृत्यों की कड़ी निंदा करते हुए यूएन की ओर से नामित आतंकवादियों और संगठनों के खिलाफ ठोस कार्रवाई का आव्हान किया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अब दिल्ली से हरिद्वार की दूरी मात्र 90 मिनट में तय हो सकेगी'

केन्द्रीय सड़क परिवहन व राज मार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च होने वाले प्रत्येक 100 रूपए से 325 रूपए का आर्थिक लाभ होता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। वह दिन दूर नहीं, जब दिल्ली से हरिद्वार की यात्रा केवल 90 मिनट में पूरी की जा सकेगी। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को बताया कि इस मार्ग की एक नई सड़क परियोजना अगले महीने शुरू होने वाली है। उन्होंने कहा कि देश में तेजी से विकसित हो रहा राजमार्ग नेटवर्क अर्थव्यवस्था और पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

''भारत के भविष्य के राजमार्ग: स्मार्ट, सुरक्षित और टिकाऊ'' विषय पर भारतीय उद्योग परिसंघ के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि बेहतर सड़क इन्फ्रास्ट्रक्चर से धार्मिक स्थलों तक पहुंच आसान हो रही है, यात्रा का समय घट रहा है और पर्यटन तथा आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि से रोज़गार के नए अवसर पनप रहे हैं।

उन्होंने बताया कि हाल ही में शुरू हुए दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर से दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय लगभग सात घंटे से घटकर दो घंटे रह गया है। अगले महीने दिल्ली को हरिद्वार से जोड़ने वाली प्रस्तावित सड़क परियोजना शुरू होने से देश के प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक तक पहुंच और आसान होने की उम्मीद है।

गडकरी ने बेहतर सड़क संपर्क के प्रभाव का उदाहरण देते हुए चारधाम सड़क विकास परियोजना का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का 80 से 85 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और बद्रीनाथ तथा केदारनाथ जैसे धार्मिक स्थलों पर यातायात तीन गुना बढ़ गया है।

मंत्री ने अयोध्या और महाराष्ट्र की सड़क परियोजनाओं का भी जिक्र किया। इनमें पंढरपुर पालखी मार्ग भी शामिल है, जिसका उद्देश्य तीर्थयात्रियों की यात्रा आसान बनाना और धार्मिक तथा पर्यटन केन्द्रों तक पहुंच में सुधार करना है। उन्होंने कहा कि सरकार देशभर में सड़कों, पुलों और सुरंगों का निर्माण कर रही है। पूर्वोत्तर क्षेत्र तथा जम्मू-कश्मीर में भी ऐसी परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है।

गडकरी के अनुसार, सरकार के पास धार्मिक पर्यटन से जुड़ी एक लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं हैं, जबकि सुरंग निर्माण की परियोजनाओं का अनुमानित मूल्य दो लाख करोड़ रुपये है। उन्होंने जोर दिया कि बुनियादी ढांचे में निवेश से बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा हो सकता है। उनके मुताबिक, पर्यटन

- गडकरी ने भारतीय उद्योग परिसंघ के राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारत के भविष्य के राज मार्गः स्मार्ट, सुरक्षित और टिकाऊ'' विषय पर बोलते हुए कहा कि बेहतर सड़क से धर्म स्थलों तक पहुँच आसान हो रही है, यात्रा का समय घट रहा है, पर्यटन व आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि से रोज़गार के नए अवसर पनप रहे हैं।
- उन्होंने कहा कि दिल्ली, देहरादून कॉरीडोर से दिल्ली से देहरादून की यात्रा 7 घंटे से घट कर 2 घंटे की रह गई है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ड्रोन की मदद से तमिलनाडु जेल के फरार 13 कैदी पकड़े गये

थेनी, 27 अक्टूबर। तमिलनाडु के थेनी जिले की थेक्कमपट्टी जेल से सुरक्षाकर्मियों पर हमला कर फरार हुए 17 कैदियों में से 13 को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मंगलवार को विशेष पुलिस टीमों ने ड्रोन की मदद से जंगल में छिपे आठ और कैदियों को पकड़ लिया। इससे पहले पांच कैदियों को गिरफ्तार किया जा चुका था। शेष चार कैदियों की तलाश में पुलिस का अभियान जारी है। इस बीच जेल से कैदियों के फरार होने के मामले में नौ सुरक्षाकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।

थेनी जिले के अंडिपट्टी के पास स्थित थेक्कमपट्टी जेल में सोमवार रात एक कैदी ने मिर्गी का दौरा पड़ने का नाटक कर सुरक्षाकर्मियों का ध्यान भटकाया। इसी दौरान कैदियों ने सुरक्षाकर्मियों पर हमला कर दिया और

- चार फरार कैदियों की तलाश जारी, नौ सुरक्षाकर्मी निलम्बित।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संबंधों में कटुता होने के बाद भी पाकिस्तान में भारत के माल की लोकप्रियता घटी नहीं है

वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में पाकिस्तान को भारतीय निर्यात 69 प्रतिशत बढ़ गया है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। भारत से पाकिस्तान के आयात में बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में यह बढ़ोतरी करीब 69 प्रतिशत रही। इससे पता चलता है कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच राजनीतिक दुश्मनी के बावजूद, व्यापारिक मांग को पूरी तरह नहीं रोका जा सकता। इसका सबूत यह है कि अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच अधिकारिक व्यापार पर रोक लगा दी गई थी, फिर भी आयात में बढ़ोतरी हुई है।

पाकिस्तान के केन्द्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, जिनका उल्लेख ''डॉन'' ने किया है, पाकिस्तान ने जुलाई से सितंबर के बीच भारत से 6.174 करोड़ डॉलर का सामान आयात किया। पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 3.655 करोड़ डॉलर था। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है, जब दोनों सरकारों ने व्यापार पर प्रतिबंध लगा रखे हैं और दोनों देशों के बीच व्यापार के लिए अधिकृत एकमात्र जमीनी रास्ता भी बंद है।

इससे भी अधिक हैरानी की बात यह है कि तीन महीने की इस अवधि में पाकिस्तान से भारत को कोई निर्यात नहीं हुआ। व्यापार में बढ़ता यह असंतुलन सवाल खड़े करता है कि आधिकारिक रूप से व्यापार बंद होने के बावजूद, भारतीय उत्पाद पाकिस्तान के खरीदारों तक कैसे पहुंच रहे हैं।

इसका एक संभावित कारण संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर और श्रीलंका जैसे मध्यवर्ती बाज़ारों का इस्तेमाल हो सकता है। संभव है कि व्यापारी अपना सामान सीधे पाकिस्तान भेजने के बजाय इन देशों के रास्ते भेज रहे हों। हालांकि, आयात के ताजा आंकड़ों से यह साबित नहीं होता कि सामान असल में कहाँ से आ रहा है, किस रास्ते से आ रहा है या लेन-देन का स्वरूप क्या है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने ऐसी व्यवस्थाओं को व्यापार की एक ऐसी रणनीति बताया है, जिसमें सामान को सीधे मूल देश से अंतिम गंतव्य तक भेजने के बजाय, तीसरे देशों के रास्ते पहुंचाया जाता है। जीटीआरआई का अनुमान है कि भारत से पाकिस्तान को अनौपचारिक रूप से होने वाला निर्यात सालाना 10 अरब डॉलर तक हो सकता है। यह अनुमान पाकिस्तान द्वारा बताए गए आयात के आंकड़ों से अलग है, और यह जरूरी नहीं कि यह सारा व्यापार मौजूदा पाबंदियों का उल्लंघन करके ही किया गया हो।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने वाघा-अटारी सीमा चौकी बंद कर दी थी। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद नई दिल्ली ने पाकिस्तान में बने या पाकिस्तान से निर्यात किए गए सामान के सीधे या किसी तीसरे देश के माध्यम से आयात और परिवहन पर प्रतिबंध लगा दिया। इस्लामाबाद ने 4 मई, 2025 को घोषणा की कि वह भारत के साथ सभी तरह के व्यापार (तीसरे देश के रास्ते होने वाले व्यापार सहित) निलंबित कर रहा है।

इन तमाम कदमों के बावजूद, ऐसा लगता है कि अप्रत्यक्ष माध्यमों से दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध अभी भी बने हुए हैं। मध्यस्थ देशों के रास्ते भेजे गए सामान को अंतिम गंतव्य तक पहुंचने से पहले गोदामों में रखा जा सकता है, उसकी पैकिंग बदली जा सकती है या उसे दोबारा बेचा जा सकता है। हालांकि, यह तय करने के लिए, कि क्या कोई विशेष खेप लागू प्रतिबंधों का उल्लंघन करती है, हर लेन-देन के स्तर पर सबूतों की ज़रूरत होगी।

दवाइयां उन उत्पादों में शामिल हैं, जिनका दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक रूप से व्यापार होता रहा है। भारतीय दवाइयों और उन्हें बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की पाकिस्तान में मांग रही है। इसके अलावा, प्लास्टिक, पेट्रोलियम उत्पाद, कार्बनिक रसायन, रंग, रबर, चाय, कॉफी, मसाले और अनाज भी दोनों देशों के बीच व्यापार की जाने वाली वस्तुओं में शामिल रहे हैं। ''रॉयटर्स'' की एक रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2025 तक पाकिस्तान को भारत का फार्मास्यूटिकल निर्यात 20.8 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया था। यह आंकड़ा आयात के उन ताजा

- हालांकि, पाकिस्तान सीधे माल नहीं मंगा रहा है, इसके बजाय यूएई, सिंगापुर और श्रीलंका के व्यापारी भारत से माल खरीद कर पाकिस्तान तक पहुँचा रहे हैं।
- पाकिस्तान भारत से सबसे ज्यादा दवाइयाँ और दवाई बनाने का कच्चा माल मंगाता है। मार्च 2025 तक पाकिस्तान को भारत का फार्मास्युटिकल निर्यात 20.8 करोड़ रूपए पहुँच गया था।
- जैसा कि विदित ही है, पहले पुलवामा और फिर पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ व्यापारिक संबंध खत्म कर दिए थे और पाकिस्तान से आयात-निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। यही नहीं, तीसरे देश के जरिए होने वाले व्यापार पर भी रोक लगा दी थी। इसके बावजूद भी भारतीय माल की पाकिस्तान के बाज़ार में भारी माँग है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वंदे मातरम् पर सुप्रीम कोर्ट का केन्द्र सरकार को नोटिस

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने वंदेमातरम् के सभी छंदों को अनिवार्य रूप से गाने के सरकारी आदेश और कानून को चुनौती देने वाली नई याचिकाओं पर केन्द्र सरकार से जवाब तलब किया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इन याचिकाओं पर सुनवाई की। उच्चतम न्यायालय ने इन नई याचिकाओं को पहले से लंबित टीएम कृष्णा की याचिका के साथ जोड़ दिया है। इस पूरे मामले पर अब अगली विस्तृत सुनवाई 30 नवंबर को होगी।

न्यायालय में बीडी बोरकर और बीएस मावोजी की याचिकाओं पर सुनवाई हो रही थी। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह आदेश पिछले 79 वर्षों

- यह नोटिस उन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया गया है जिसमें सभी छंद गाने की अनिवार्यता को चुनौती दी गई है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)